



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1429]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 19, 2013/ज्येष्ठ 29, 1935

No. 1429]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 19, 2013/JYAISTHA 29, 1935

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 2013

का.आ. 1768 (अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 2013 (2013 का 17) की धारा 115 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वह तारीख, जिसको उक्त अधिनियम का अध्याय 7 प्रवृत्त होगा, 1 जुलाई, 2013 नियत करती है।

[अधिसूचना सं. 45/2013/फा.सं. 142/09/2013-टी.पी.एल.]

गौरव कनोजिया, निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 2013

S.O.1768(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 115 of the Finance Act, 2013 (17 of 2013), the Central Government hereby appoints the 1st day of July, 2013 as the date on which Chapter VII of the said Act shall come into force

[Notification No.45/2013/F.No. 142/09/2013-TPL]

GAURAV KANAUJIA, Director

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 2013

वस्तु संव्यवहार कर नियम, 2013

का.आ. 1769 (अ).— केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 2013 (2013 का 17) की धारा 133 की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वस्तु संव्यवहार कर से संबंधित निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :--

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ -- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वस्तु संव्यवहार कर नियम, 2013 है।

(2) ये 1 जुलाई, 2013 को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं -- (1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,--

(क) “अधिनियम” से वित्त अधिनियम, 2013 (2013 का 17) अभिप्रेत है ;

(ख) “प्राधिकृत बैंक” से ऐसा कोई बैंक अभिप्रेत है जो भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 की उपधारा (1) के उपबंधों के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उसके अभिकर्ता के रूप में नियुक्त किया जाए ;

(ग) “प्ररूप” से इन नियमों के परिशिष्ट में उपवर्णित प्ररूप अभिप्रेत है।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74), आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उनके अधीन बनाए गए नियमों में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उन अधिनियमों और नियमों में क्रमशः उनके हैं।

3. कृषि वस्तुएं -- अधिनियम की धारा 116 के खंड (7) के प्रयोजनों के लिए, कृषि-वस्तुएं निम्नलिखित होंगी, अर्थात् :--

- (i) बादाम
- (ii) जौ
- (iii) इलाइची
- (iv) एरंड बीज
- (v) चना
- (vi) खोपरा
- (vii) धनिया
- (viii) कपास
- (ix) कपासिया खली
- (x) ग्वार बीज
- (xi) इस्बगुल बीज
- (xii) जीरा
- (xiii) कपास
- (xiv) मक्का भुट्टा
- (xv) मिर्च
- (xvi) आलू

- (xvii) तोरिया/सरसों
- (xviii) कच्चा जूट
- (xix) लाल मिर्च
- (xx) सोयाबीन
- (xxi) सोया पसीन
- (xxii) हल्दी
- (xxiii) गेहूँ

4. कराधेय वस्तु संव्यवहार के मूल्य, वस्तु संव्यवहार कर, आदि का पूर्णांकन -- कराधेय वस्तु संव्यवहार के मूल्य और वस्तु संव्यवहार कर, संदेय ब्याज और शास्ति तथा शोध्य प्रतिदाय की रकम का अधिनियम के अध्याय 7 के उपबंधों के अधीन निकटतम रुपए तक पूर्णांकन किया जाएगा और इस प्रयोजन के लिए जहां ऐसी रकम में एक रुपए का कोई भाग, जो पैसे के रूप में हो, अंतर्विष्ट हो, वहां यदि वह भाग पचास या अधिक पैसे का है तो उसे एक रुपए तक बढ़ा दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम का है तो उसे गणना में नहीं लिया जाएगा।

5. वस्तु संव्यवहार कर का संदाय -- प्रत्येक ऐसा मान्यताप्राप्त संगम, जिससे अधिनियम की धारा 119 के अधीन वस्तु संव्यवहार कर का संग्रहण और संदाय करने की अपेक्षा की जाती है, ऐसे कर की रकम का केन्द्रीय सरकार के जमा खाते में, भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या किसी प्राधिकृत बैंक की किसी शाखा में, वस्तु संव्यवहार कर चालान के साथ, उसे प्रेषित करके, संदाय करेगा।

6. कराधेय वस्तु संव्यवहारों की विवरणी -- (1) अधिनियम की धारा 120 की उपधारा (1) के अधीन दिए जाने के लिए अपेक्षित कराधेय वस्तु संव्यवहारों की विवरणी प्ररूप सं. 1 में होगी, उसमें उपदर्शित रीति में सत्यापित की जाएगी और निम्नलिखित किसी भी रीति में दी जा सकेगी, अर्थात् :--

(i) कागज रूप में विवरणी दिया जाना ;

(ii) डिजिटल हस्ताक्षर के अंतर्गत इलैक्ट्रानिक रूप से विवरणी दिया जाना :

परंतु जहां विवरणी खंड (i) में उपबंधित रीति में दी जाती है, वहां उपनियम (1) में निर्दिष्ट प्ररूप सं० 1 में की अनुसूचियों में दिए जाने के लिए अपेक्षित विशिष्टियां कंप्यूटर के माध्यम से निम्नलिखित के अनुसार दी जाएंगी--

(क) कंप्यूटर माध्यम निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होगा : --

(i) 650 एमबी क्षमता या उच्चतर क्षमता की सीडी रोम ; या

(ii) डिजिटल वीडियो डिस्क ;

(ख) यदि अनुसूचियों से संबंधित डाटा की डाटा कंप्रेशन या बैकअप साफ्टवेयर यूटीलिटी का उपयोग करते हुए प्रति तैयार की जाती है, तो उसके डिस्कंप्रेशन या रेस्टोरेशन के लिए तत्समान साफ्टवेयर यूटीलिटी या प्रक्रिया भी दी जाएगी ; और

(ग) विवरणी के साथ साफ और वायरसमुक्त डाटा के संबंध में एक प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

(2) किसी वित्तीय वर्ष के दौरान किए गए कराधेय वस्तु संव्यवहार की विवरणी उस वित्तीय वर्ष के ठीक बाद की 30 जून को या उसके पूर्व दी जाएगी ।

(3) आय-कर महानिदेशक (सिस्टम) डाटा के सुनिश्चित परिग्रहण या पारेषण को सुनिश्चित करने संबंधी प्रक्रियाओं, प्ररूपों और मानकों को विनिर्दिष्ट करेगा और उपनियम (1) के खंड (ii) में विनिर्दिष्ट रीतियों में विवरणियां देने के संबंध में समुचित सुरक्षा पुरालेखन और पुनःप्राप्त करने की नीतियों को विकसित करने और कार्यान्वित करने के लिए उत्तरदायी होगा ।

7. विवरणी पर किसके द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे -- अधिनियम की धारा 120 की उपधारा (1) के अधीन विवरणी, किसी मान्यताप्राप्त संगम की दशा में, निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षरित और सत्यापित की जाएगी --

(क) किसी कंपनी की दशा में, उसके प्रबंध निदेशक या किसी निदेशक द्वारा ; और

(ख) किसी अन्य दशा में, उसके प्रधान अधिकारी द्वारा ।

8. कराधेय वस्तु संव्यवहार की विवरणी की अपेक्षा करने वाली सूचना में विनिर्दिष्ट की जाने वाली समय सीमा -- जहां कोई निर्धारिती अधिनियम की धारा 120 की उपधारा (1) के अधीन विवरणी नियम 6 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर देने में असफल रहता है, वहां निर्धारण अधिकारी ऐसे व्यक्ति को एक सूचना जारी कर सकेगा जिसमें उससे नियम 6 में विहित प्ररूप में और उसमें उपदर्शित रीति से सत्यापित विवरणी, सूचना की तामील किए जाने की तारीख से तीस दिन के भीतर देने की अपेक्षा की जाएगी ।

9. मांग की सूचना--जहां अधिनियम के अध्याय 7 के उपबंधों के अधीन पारित किसी आदेश के परिणामस्वरूप कोई कर, ब्याज या शास्ति संदेय है, वहां निर्धारण अधिकारी निर्धारिती पर प्ररूप सं0 2 में, इस प्रकार संदेय राशि को विनिर्दिष्ट करते हुए, मांग की सूचना की तामील करेगा ।

10. उस व्यक्ति को, जिससे ऐसी रकम संगृहीत की गई थी, कर के प्रतिदाय के लिए विहित समय--प्रत्येक निर्धारिती, यदि अधिनियम की धारा 121 की उपधारा (2) के अधीन निर्धारण किए जाने पर उसे किसी रकम का प्रतिदाय किया जाता है, ऐसी रकम की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन के भीतर, उस संबद्ध व्यक्ति को, जिससे उसका संग्रहण किया गया था, उसका प्रतिदाय करेगा ।

11. आय-कर आयुक्त (अपील) को अपील का प्ररूप -- (1) आयुक्त (अपील) को धारा 129 की उपधारा (1) के अधीन अपील प्ररूप सं0 3 में की जाएगी ।

(2) किसी निर्धारिती के संबंध में, उपनियम (1) द्वारा विहित अपील के प्ररूप, अपील के आधारों और उससे उपाबद्ध सत्यापन के प्ररूप पर उस व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और वह सत्यापित किया जाएगा, जो नियम 7 के अधीन, जैसे वह निर्धारिती को लागू होता है, कराधेय वस्तु संव्यवहार की विवरणी पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत है ।

12. अपील अधिकरण को अपील का प्ररूप -- अधिनियम की धारा 130 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के अधीन अपील अधिकरण को अपील प्ररूप सं0 4 में की जाएगी और जहां अपील निर्धारिती द्वारा की जाती है, वहां अपील के प्ररूप, अपील के आधारों और उससे उपाबद्ध सत्यापन के प्ररूप पर नियम 7 में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे ।

प्ररूप सं० १

कराधेय वस्तु संव्यवहारों की विवरणी

सीटीटीएस-1

1. मान्यताप्राप्त संगम का नाम

[illegible]

2. मान्यताप्राप्त संगम का पता

[illegible][illegible][illegible]

3. स्थायी खाता सं० (पैन)

[illegible]

4. वित्तीय वर्ष (संव्यवहार उनसे संबंधित हैं जो रिपोर्ट किए गए हैं)

				-			
--	--	--	--	---	--	--	--

5. वार्ड/सर्किल/रेंज

--	--	--	--	--	--	--	--

(रु० में)

6. कराधेय वस्तु संव्यवहारों का मूल्य

(क[12])

[illegible]

7. संग्रहणयोग्य कुल वस्तु संव्यवहार कर

(क[13])

[illegible]

8. संगृहीत कुल वस्तु संव्यवहार कर

(ख[4])

[illegible]

9. संदत्त कुल वस्तु संव्यवहार कर

(ख[5])

[illegible]

10. संदेय / प्रतिदेय वस्तु संव्यवहार कर

(7-9)

[illegible]

11. धारा 123 के अधीन संदेय ब्याज

(ख[6])

[illegible]

12. संदत्त ब्याज

(ख[7])

[illegible]

अभिस्वीकृति
केवल शासकीय उपयोग के लिए

प्राप्ति सं०

तारीख

प्राप्तकर्ता पदधारी की मुद्रा और
हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम), का पुत्र/पुत्री जिसका स्थायी खाता संख्यांक..... है, सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि इस विवरणी और इसके साथ लगी अनुसूचियों में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और यह कि कराधेय वस्तु संव्यवहारों का कुल मूल्य और उसमें दर्शित की गई अन्य विशिष्टियां सत्यता से कथित की गई हैं तथा वित्त अधिनियम 2013 के अध्याय 7 और वस्तु संव्यवहार कर नियम, 2013 के अनुसार हैं।

मैं और घोषणा करता/करती हूँ कि मैं.....की हैसियत में इस विवरणी को दे रहा/रही हूँ और मैं इस विवरणी को देने और इसे सत्यापित करने के लिए भी सक्षम हूँ।

तारीख.....

स्थान.....

(नाम और हस्ताक्षर)

अनुसूची -क

क्रम सं०	समाशोधक सदस्य कोड	सदस्य का नाम	सदस्य कोड		सदस्य का स्थायी खाता संख्यांक	मध्यवर्ती, यदि कोई हो, के द्वारा		ग्राहक का नाम	ग्राहक का स्थायी खाता संख्यांक	विशिष्ट ग्राहक कोड	कराधेय वस्तु संख्यवहारी का मूल्य (रुपयों में)	संग्रहण योग्य वस्तु संख्यवहारी कर (रुपयों में)
			विनियामक/एफ एमसी विशिष्ट सदस्य कोड	संगम सदस्य कोड		नाम	पैन					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
										योग		

अनसूची ख

[illegible]

टिप्पणः :-

1. यह प्ररूप केवल किसी मान्यताप्राप्त संगम द्वारा प्रयुक्त किया जाना चाहिए ।
2. अनुसूची क और अनुसूची ख में अपेक्षित ब्योरे नियम 6 में यथाविनिर्दिष्ट कंप्यूटर माध्यम पर दिए जाएं ।
3. अनुसूची क और ख में अपेक्षित ब्योरे यथास्थिति प्रत्येक सदस्य/मध्यवर्ती कोड और समाशोधक सदस्य कोड के लिए पृथक् रूप से दिए जाएं । ग्राहक के नाम, ग्राहक के स्थायी खाता संख्यांक और विशिष्ट ग्राहक कोड की विशिष्टियां, जहां कहीं उपलब्ध हों, अवश्य दी जानी चाहिए ।
4. अनुसूची ख में अपेक्षित ब्योरे प्रत्येक मास के लिए, प्रत्येक मास के लिए उप योग देते हुए, पृथक् रूप से दिए जाएं ।

प्ररूप सं० 2

[वस्तु संव्यवहार कर नियम 2013 का नियम 9 देखिए]

मांग की सूचना

सीटीटीएस-2

सेवा में

प्रास्थिति

स्थायी खाता सं०.....

1. आपको सूचना दी जाती है कि वित्तीय वर्ष.....के लिए.....रु० की रकम का, जिसके ब्योरे पीछे दिए गए हैं, आपके द्वारा संदाय किए जाने के रूप में अवधारण किया गया है।
2. रकम का संदाय इस सूचना की तामील के तीस दिन के भीतर प्रबन्धक, प्राधिकृत बैंक भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक को किया जाना चाहिए। अपर/संयुक्त आय-कर आयुक्त का पूर्व अनुमोदन, उपर्युक्त राशि का संदाय करने के संबंध में तीस दिन से कम अवधि अनुज्ञात करने के लिए, अभिप्राप्त कर लिया गया है। संदाय के प्रयोजन के लिए एक चालान संलग्न है।
3. यदि आप ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर रकम का संदाय नहीं करते हैं तो आप पूर्वोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्रारंभ होने वाली तारीख से प्रत्येक मास या किसी मास के भाग के लिए एक प्रतिशत की दर पर साधारण ब्याज का वित्त अधिनियम 2013 की धारा 128 के साथ पठित आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 220 की उपधारा (2) के अनुसार संदाय करने के लिए दायी होंगे।
4. यदि आप ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कर की रकम का संदाय नहीं करते हैं तो आप पर, वित्त अधिनियम, 2013 की धारा 128 के साथ पठित आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 221 के अनुसार सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर दिए जाने के पश्चात्, शास्ति (जो कर की बकाया रकम के बराबर हो सकेगी) अधिशेषित की जा सकेगी।
5. यदि आप ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर रकम का संदाय नहीं करते हैं तो उसकी वसूली के लिए कार्यवाहियां वित्त अधिनियम, 2013 की धारा 128 के साथ पठित आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 222, धारा 227, धारा 229 और धारा 232 के अनुसार की जाएंगी।
6. यदि आप निर्धारण या शास्ति के विरुद्ध अपील करना चाहते हैं तो आप वित्त अधिनियम, 2013 की धारा 129 के अधीन कोई अपील इस सूचना की प्राप्ति से तीस दिन के भीतर नियम 11 में यथाविहित प्ररूप सं० 3 में, उस प्ररूप में यथा अधिकथित सम्यक् रूप से स्टाम्प लगाकर और सत्यापित करके आय-कर आयुक्त (अपील)..... को प्रस्तुत कर सकते हैं।

7. यह रकम वित्त अधिनियम, 2013 की धारा 129 के अधीन आय-कर आयुक्त (अपील) के आदेश के परिणामस्वरूप शोध हो गई है। यदि आप पूर्वोक्त आदेश के विरुद्ध अपील करना चाहते हैं तो आप उक्त अधिनियम की धारा 130 के अधीन कोई अपील, उस आदेश की प्राप्ति के साठ दिन के भीतर, नियम 12 में यथा विहित प्ररूप सं० 4 में, उस प्ररूप में यथा अधिकथित सम्यक् रूप से स्टाम्प लगाकर और सत्यापित करके, आय-कर अपील अधिकरण..... को प्रस्तुत कर सकते हैं।

स्थान.....

तारीख.....

.....

निर्धारण अधिकारी

.....

पता

टिप्पण :

1. अनुपयुक्त पैराओं और शब्दों को काट दें।
2. यदि आप चैक द्वारा रकम का संदाय करना चाहते हैं तो चैक प्रबन्धक, प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक के नाम में लिखा जाएगा।
3. यदि आप रकम के संदाय की समयावधि बढ़ाना चाहते हैं या किस्तों में संदाय करना चाहते हैं तो, यथास्थिति, ऐसे समय विस्तार के लिए या किस्तों में संदाय की अनुज्ञा के लिए आवेदन पैरा 2 में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व निर्धारण अधिकारी को किया जाएगा। उक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् किसी अनुरोध के प्राप्त होने पर आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 220 की उपधारा (3) के विनिर्दिष्ट उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए विचार नहीं किया जाएगा।

प्ररूप सं० 3

[वस्तु संव्यवहार कर नियम, 2013 का नियम 11 देखिए]

आय-कर आयुक्त (अपील) को अपील

आयुक्त (अपील) का पदनाम

सीटीटीएस-3

*वर्ष 20 20.....का संख्यांक.....

1.	अपीलार्थी का नाम और पता	
2.	स्थायी खाता संख्यांक	
3.	वह वित्तीय वर्ष जिसके संबंध में अपील की गई है	
4.	उस आदेश को, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी	
5.	वित्त अधिनियम, 2013 के अध्याय 7 की वह धारा और उपधारा जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने ऐसा आदेश पारित किया है, जिसके विरुद्ध अपील की गई है और ऐसे आदेश की तारीख	
6.	जहां अपील किसी निर्धारण या शास्ति से संबंधित है, सुसंगत मांग सूचना की तामील की तारीख	
7.	किसी अन्य मामले में, उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, संसूचना की तामील की तारीख	
8.	वित्त अधिनियम, 2013 के अध्याय 7 की वह धारा और उपधारा, जिसके अधीन अपील की गई है	
9.	जहां, अपीलार्थी द्वारा ऐसे वित्तीय वर्ष के लिए, जिसके संबंध में अपील की गई है, विवरणी फाइल की गई है, वहां क्या ऐसे कराधेय वस्तु संव्यवहार के, जिसके संबंध में विवरणी दी गई है, मूल्य पर शोध कर का पूर्ण रूप से संदाय कर दिया गया है (यदि, उत्तर हां में है, तो संदाय की तारीख और संदत्त राशि के ब्योरे दें)	
10.	अपील में दावा किया गया अनुतोष	
11.	<p>**जहां अपीलार्थी की दशा में किसी अन्य वित्तीय वर्ष के संबंध में कोई अपील किसी आयुक्त (अपील) के पास लंबित है, वहां निम्नलिखित के संबंध में ब्योरे दें --</p> <p>(क) वह आयुक्त (अपील), जिसके पास अपील लंबित है ;</p> <p>(ख) वह वित्तीय वर्ष जिसके संबंध में अपील की गई है ;</p> <p>(ग) उस आदेश को, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी ;</p> <p>(घ) वित्त अधिनियम, 2013 के अध्याय 7 की वह धारा और उपधारा जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने ऐसा आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित किया है और ऐसे आदेश की तारीख ।</p>	
12.	वह पता जिस पर अपीलार्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी	

.....
हस्ताक्षर
(अपीलार्थी)

तथ्यों का कथन
अपील के आधार

.....
हस्ताक्षर
(अपीलार्थी)

सत्यापन का प्ररूप

मैं, अपीलार्थी, यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर किए गए कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य हैं ।
आज तारीखको सत्यापित किया गया ।
स्थान
.....
हस्ताक्षर

टिप्पण :

1. अपील के प्ररूप, अपील के आधार और उससे उपाबद्ध सत्यापन के प्ररूप पर किसी व्यक्ति द्वारा वस्तु संव्यवहार कर नियम, 2013 के नियम 7 के उपबंधों के अनुसार हस्ताक्षर किए जाएंगे ।
2. अपील का ज्ञापन, तथ्यों का कथन और अपील के आधार दो प्रतियों में होगा और उसके साथ ऐसे आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, एक प्रति तथा मांग की सूचना, यदि कोई हो, की मूल प्रति संलग्न की जाएगी ।
3. अनुपयुक्त शब्दों को काट दें ।
4. *ये विशिष्टियां आयुक्त (अपील) के कार्यालय में भरी जाएंगी ।
5. यदि इसमें दिया गया स्थान अपर्याप्त है तो इस प्रयोजन के लिए पृथक् संलग्नकों का उपयोग किया जा सकेगा ।
6. **यदि एक से अधिक वित्तीय वर्षों के संबंध में अपीलें लंबित हैं तो प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में पृथक् विशिष्टियां दी जाएं ।
7. अपील के ज्ञापन के साथ एक हजार रूपए की फीस लगी होगी ।
8. यह फीस निर्धारण अधिकारी से चालान अभिप्राप्त किए जाने के पश्चात् किसी प्राधिकृत बैंक की किसी शाखा या भारतीय स्टेट बैंक की किसी शाखा या भारतीय रिज़र्व बैंक की किसी शाखा में जमा की जानी चाहिए ।

प्ररूप सं. 4

वस्तु संव्यवहार कर नियम, 2013 का नियम 12 देखिए]
अपील अधिकरण को अपील का प्ररूप

सीटीटीएस-4

आय कर अपील अधिकरण.....में

*वर्ष 20.....20.....का अपील संख्यांक.....

अपीलार्थी

बनाम

प्रत्यर्थी

1.	वह राज्य जिसमें निर्धारण किया गया था	
2.	वित्त अधिनियम, 2013 के अध्याय 7 की वह धारा जिसके अधीन ऐसा आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित किया गया था	
3.	उस आदेश को, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित करने वाला आयुक्त (अपील)	
4.	वह वित्तीय वर्ष जिसके संबंध में अपील की गई है	
5.	निर्धारिती द्वारा मद 4 में निर्दिष्ट वित्तीय वर्ष के लिए कराधेय वस्तु संव्यवहारों का घोषित किया गया कुल मूल्य	
6.	निर्धारण अधिकारी द्वारा मद 4 में निर्दिष्ट वित्तीय वर्ष के लिए यथा संगणित कराधेय वस्तु संव्यवहारों का कुल मूल्य	
7.	मूल आदेश को पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी	
8.	वित्त अधिनियम, 2013 के अध्याय 7 की वह धारा, जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने आदेश पारित किया	
9.	उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, संसूचना की तारीख	
10.	वह पता जिस पर अपीलार्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी	
11.	वह पता जिस पर प्रत्यर्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी	
12.	अपील में दावा किया गया अनुतोष	

अपील के आधार

1.

2.

3.

4. आदि

हस्ताक्षरित

(प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हो)

हस्ताक्षरित

(अपीलार्थी)

सत्यापन

मैं.....अपीलार्थी, यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर किए गए कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य हैं ।

आज तारीखको सत्यापित किया गया ।

स्थान

हस्ताक्षरित

टिप्पणः

1. अपील का ज्ञापन तीन प्रतियों में होगा और उसके साथ उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, दो प्रतियां (जिनमें से कम से कम एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए), निर्धारण अधिकारी के सुसंगत आदेश की दो प्रतियां, प्रथम अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील के आधारों की दो प्रतियां, उक्त अपील प्राधिकारी के समक्ष फाइल किए गए तथ्यों के कथन की, यदि कोई हों, दो प्रतियां लगी होंगी ।

2. वित्त अधिनियम, 2013 के अध्याय 7 की धारा 130 की उपधारा (1) के अधीन किसी निर्धारिती द्वारा किए जाने वाले अपील के ज्ञापन के साथ एक हजार रुपए की फीस लगी होनी चाहिए ।

3. यह फीस चालान अभिप्राप्त करने के पश्चात् प्राधिकृत बैंक की किसी शाखा या भारतीय स्टेट बैंक की किसी शाखा या भारतीय रिजर्व बैंक की किसी शाखा में जमा की जाएगी और अपील के ज्ञापन के साथ अपील अधिकरण के चालान की तीन प्रतियां भेजी जाएंगी ।

अपील अधिकरण चैकों, ड्राफ्टों, हुंडियों या अन्य परक्राम्य लिखतों को स्वीकार नहीं करेगा ।

4. अपील का ज्ञापन अंग्रेजी में लिखा होगा या यदि अपील किसी ऐसे राज्य में अवस्थित किसी न्यायपीठ में फाइल की जाती है, जिसे अपील अधिकरण के अध्यक्ष द्वारा आय-कर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम 5क के प्रयोजनों के लिए तत्समय अधिरूचित किया गया है, तब अपीलार्थी के विकल्प पर हिंदी में लिखी जाएगी तथा उसमें बिना किसी तर्क या वर्णन के संक्षिप्त रूप से तथा सुभिन्न शीर्षों के अधीन अपील के आधारों का वर्णन किया जाएगा और ऐसे आधारों को क्रमानुसार संख्यांकित किया जाएगा ।

5. *अपील का संख्यांक और वर्ष अपील अधिकरण के कार्यालय में भरा जाएगा ।

6. ऐसे स्तम्भों को काट दें, जो लागू नहीं हों । यदि इसमें दिया गया अपर्याप्त है तो इस प्रयोजन के लिए पृथक् संलग्नकों का उपयोग किया जा सकेगा ।

[अधिसूचना सं. 46/2013/फा.सं.142/09/2013-टीपीएल]

गौरव कनोजिया, निदेशक (टीपीएल)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 2013

Commodities Transaction Tax Rules, 2013

S.O. 1769(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 133 of the Finance Act, 2013 (17 of 2013), the Central Government hereby makes the following rules relating to commodities transaction tax, namely:—

1. Short title and commencement. — (1) These rules may be called the Commodities Transaction Tax Rules, 2013.

(2) They shall come into force on the 1st day of July, 2013.

2. Definitions. — (1) In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Finance Act, 2013 (17 of 2013);
- (b) "authorised bank" means any bank as may be appointed by the Reserve Bank of India as its agent under the provisions of sub-section (1) of section 45 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
- (c) "Form" means a Form set out in the Appendix to these rules.

(2) Words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act, the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), or the rules made thereunder, shall have the meanings respectively assigned to them in those Acts and rules.

3. Agricultural commodities. — For the purposes of clause (7) of section 116 of the Act, the agricultural commodities shall be the following, namely:—

- (i) Almond
- (ii) Barley
- (iii) Cardamom
- (iv) Castor Seed
- (v) Channa/Gram
- (vi) Copra
- (vii) Coriander/Dhaniya
- (viii) Cotton

- (ix) Cotton seed Oilcake/Kapasias Khali
- (x) Guar Seed
- (xi) Isabgul Seed
- (xii) Jeera (Cumin Seed)
- (xiii) Kapas
- (xiv) Maize Feed
- (xv) Pepper
- (xvi) Potato
- (xvii) Rape/Mustard Seed
- (xviii) Raw Jute
- (xix) Red Chilli
- (xx) Soya bean/seed
- (xxi) Soymeal
- (xxii) Turmeric
- (xxiii) Wheat

4. Rounding off value of taxable commodities transaction, commodities transaction tax, etc. — The value of taxable commodities transaction and the amount of commodities transaction tax, interest and penalty payable, and the amount of refund due, under the provisions of Chapter VII of the Act shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose, where such amount contains a part of a rupee consisting of paise then, if such part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise it shall be ignored.

5. Payment of commodities transaction tax. — Every recognised association, who is required to collect and pay commodities transaction tax under section 119 of the Act, shall pay the amount of such tax to the credit of the Central Government by remitting it into any branch of the Reserve Bank of India or of the State Bank of India or of any authorised Bank accompanied by a commodities transaction tax challan.

6. Return of taxable commodities transactions. — (1) The return of taxable commodities transactions required to be furnished under sub-section (1) of section 120 of the Act shall be in Form No. 1, verified in the manner indicated therein, and may be furnished in any of the following manners, namely:-

- (i) furnishing the return in paper form;
- (ii) furnishing the return electronically under digital signature:

Provided that where the return is furnished in the manner provided in clause (i) the particulars required to be furnished in the Schedules to Form No. 1 referred to in sub-rule (1) shall be furnished on a computer media, in accordance with the following, -

- (a) the computer media conforms to the following specifications:-
 - (i) CD ROM of 650 MB capacity or higher capacity; or
 - (ii) Digital Video Disc;

- (b) if the data relating to the Schedules are copied using data compression or backup software utility, the corresponding software utility or procedure for its decompression or restoration shall also be furnished; and
- (c) the return shall be accompanied by a certificate regarding clean and virus free data.

(2) The return of taxable commodities transaction entered into during a financial year shall be furnished on or before the 30th June immediately following that financial year.

(3) The Director-General of Income-tax (Systems) shall specify the procedures, formats and standards for ensuring secure capture and transmission of data and shall also be responsible for evolving and implementing appropriate security, archival and retrieval policies in relation to furnishing the returns in the manners specified in clause (ii) of sub-rule (1).

7. Return by whom to be signed. — The return under sub-section (1) of section 120 of the Act shall be signed and verified in the case of a recognised association, —

- (i) being a company, by the managing director or a director thereof; and
- (ii) in any other case, by the principal officer thereof.

8. Time limit to be specified in the notice calling for return of taxable commodities transaction. — Where an assessee fails to furnish the return under sub-section (1) of section 120 of the Act within the time specified in sub-rule (2) of rule 6, the Assessing Officer may issue a notice to such person requiring him to furnish, within thirty days from the date of service of the notice, a return in the Form prescribed in rule 6 and verified in the manner indicated therein.

9. Notice of demand. — Where any tax, interest or penalty is payable in consequence of any order passed under the provisions of Chapter VII of the Act, the Assessing Officer shall serve upon the assessee a notice of demand in Form No. 2 specifying the sum so payable.

10. Prescribed time for refund of tax to the person from whom such amount was collected. — Every assessee, in case any amount is refunded to it on assessment under sub-section (2) of section 121 of the Act, shall, within thirty days from the date of receipt of such amount, refund the same to the concerned person from whom it was collected.

11. Form of appeal to Commissioner of Income-tax (Appeals). — (1) An appeal under sub-section (1) of section 129 of the Act to the Commissioner (Appeals) shall be made in Form No. 3.

(2) The form of appeal prescribed by sub-rule (1), the grounds of appeal and the form of verification appended thereto relating to an assessee shall be signed and verified by the person who is authorised to sign the return of taxable commodities transactions under rule 7, as applicable to the assessee.

VERIFICATION

I, _____ (full name in block letters), son/ daughter of _____ having permanent account number _____ solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and schedules accompanying it is correct and complete and that the total value of taxable commodities transactions and other particulars shown therein are truly stated and are in accordance with provisions of Chapter VII of the Finance Act, 2013 and Commodities Transaction Tax Rules, 2013.

I further declare that I am making this return in my capacity as _____ and I am also competent to make this return and verify it.

Date _____

Place _____

(Name and Signature)

C

SCHEDULE - A

Sl. No	Clearing member code	Member name	Member Code		PAN of member	Details of intermediary, if any		Client name	Client PAN	Unique client code	Value of taxable commodities transactions (in Rs.)	Commodities transaction tax collectible (in Rs.)
			Regulator's FMC unique member code	Association Member code		Name	PAN					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
TOTAL												

SCHEDULE - B

Month	Value taxable commodities transactions during the month	Commodities transaction tax collectible (in Rs.)	Commodities transaction tax collected (in Rs.)	Commodities transaction tax paid (in Rs.)	Interest payable u/s. 123 (in Rs.)	Interest paid u/s. 123 (in Rs.)	Particulars of payment of commodities transaction tax/ interest u/s. 123					
							Tax/ Interest (in Rs.)	Name of the bank branch	BSR code of bank branch	Date of deposit	Serial No. of challan	Amount (in Rs.)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
TOTAL							TOTAL					

NOTES:

1. This Form must be used by a recognised association only.
2. Details required in Schedules A & B may be furnished on computer media as specified in rule 6.
3. Details required in Schedules A & B may be given separately for each Member/ Intermediary code and Clearing Member Code as the case may be. Particulars of Client Name, client PAN and unique client code should be given wherever available.
4. Details required in Schedule B may be given separately for each month giving sub- total for each month also.

FORM NO. 2

[See rule 9 of Commodities Transaction Tax Rules, 2013]

Notice of demand

CTTS - 2

To

.....

Status.....

PAN.....

1. This is to give you notice that for the financial year a sum of Rs. details of which are given on the reverse, has been determined to be payable by you.

2. The amount should be paid to the Manager, authorised Bank or State Bank of India or Reserve Bank of India at within days of the service of this notice. The previous approval of the Additional/ Joint Commissioner of Income-tax has been obtained for allowing a period of less than 30 days for the payment of the above sum. A challan is enclosed for the purpose of payment.

3. If you do not pay the amount within the period specified above, you shall be liable to pay simple interest at one per cent for every month or part of a month from the date commencing after the end of the period aforesaid in accordance with section 220(2) of the Income-tax Act, 1961 read with section 128 of the Finance Act, 2013.

4. If you do not pay the amount of the tax within the period specified above, penalty (which may be as much as the amount of tax in arrear) may be imposed upon you after giving you a reasonable opportunity of being heard in accordance with section 221 of the Income-tax Act, 1961 read with section 128 of the Finance Act, 2013.

5. If you do not pay the amount within the period specified above, proceedings for the recovery thereof will be taken in accordance with sections 222, 227, 229 and 232 of the Income-tax Act, 1961 read with section 128 of the Finance Act, 2013.

6. If you intend to appeal against the assessment or penalty, you may present an appeal under section 129 of the Finance Act, 2013, to the Commissioner of Income-tax (Appeals)..... within thirty days of the receipt of this notice, in Form No. 3 as prescribed in rule 11, duly stamped and verified as laid down in that form.

7. The amount has become due as a result of the order of the Commissioner of Income-tax (Appeals) under section 129 of the Finance Act, 2013. If you intend to appeal against the aforesaid order, you may present an appeal under section 130 of the said Act to the Income-tax Appellate Tribunal within sixty days of the receipt of that order, in Form No. 4, as prescribed in rule 12, duly stamped and verified as laid down in that form.

Place

Date.....

.....
Assessing Officer.....
Address**Notes:**

1. Delete inappropriate paragraphs and words.
2. If you wish to pay the amount by cheque, the cheque shall be drawn in favour of the Manager, authorised Bank or State Bank of India or Reserve Bank of India.
3. If you intend to seek extension of time for payment of the amount or propose to make the payment by installments, the application for such extension or as the case may be, permission to pay by installments, shall be made to the Assessing Officer before the expiry of the period specified in paragraph 2. Any request received after the expiry of the said period will not be entertained in view of the specific provisions of section 220(3) of the Income-tax Act, 1961.

FORM NO. 3

[See rule 11 of Commodities Transaction Tax Rules, 2013]

Appeal to the Commissioner of Income-tax (Appeals)**Designation of the Commissioner (Appeals)**

CTTS - 3

*No.....of20...

1. Name and address of the appellant
2. Permanent Account Number
3. Financial year in connection with which the appeal is preferred
4. Assessing Officer passing the order appealed against
5. Section and sub-section of Chapter VII of the Finance Act, 2013, under which the Assessing Officer passed the order appealed against and the date of such order
6. Where the appeal relates to any assessment or penalty, the date of service of the relevant notice of demand
7. In any other case, the date of service of the intimation of the order appealed against
8. Section and sub-section of Chapter VII of the Finance Act, 2013, under which the appeal is preferred
9. Where a return has been filed by the appellant for the financial year in connection with which the appeal is preferred, whether tax due on the value of taxable commodities transaction returned has been paid in full (if the answer is in the affirmative, give details of date of payment and amount paid)
10. Relief claimed in appeal
11. **Where an appeal in relation to any other financial year is pending in the case of the appellant with any Commissioner (Appeals), give the details as to the -
 - (a) Commissioner (Appeals), with whom the appeal is pending;
 - (b) Financial year in connection with which the appeal has been preferred;
 - (c) Assessing Officer passing the order appealed against;
 - (d) Section and sub-section of Chapter VII of the Finance Act, 2013, under which the Assessing Officer passed the order appealed against and the date of such order
12. Address to which notices may be sent to the appellant

.....
Signed
(Appellant)

**STATEMENT OF FACTS
GROUNDS OF APPEAL**

.....
Signed
(Appellant)

Form of Verification

I,, the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the day of

Place

.....
Signature

Notes:

1. The form of appeal, grounds of appeal and the form of verification appended thereto shall be signed by a person in accordance with the provisions of rule 7 of Commodities Transaction Rules, 2013.
2. The memorandum of appeal, statement of facts and the grounds of appeal shall be in duplicate accompanied by a copy of the order appealed against and the notice of demand in original, if any.
3. Delete the inappropriate words.
4. *These particulars will be filled in in the office of the Commissioner (Appeals).
5. If the space provided herein is insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.
6. **If appeals are pending in relation to more than one financial year, separate particulars in respect of each financial year may be given.
7. The memorandum of appeal shall be accompanied by a fee of one thousand rupees.
8. The fee should be credited in a branch of the authorised Bank or a branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India after obtaining a challan from the Assessing Officer.

FORM NO. 4

[See rule 12 of Commodities Transaction Tax Rules, 2013]

Form of appeal to the Appellate Tribunal

CTTS - 4

In the Income-tax Appellate Tribunal
*Appeal No. of 20..... 20.....

APPELLANT

Versus

RESPONDENT

1. The State in which the assessment was made
2. Section of Chapter VII of the Finance Act, 2013 under which the order appealed against was passed
3. The Commissioner (Appeals) passing the order appealed against
4. Financial year in connection with which the appeal is preferred
5. Total value of taxable commodities transactions declared by the assessee for the financial year referred to in item 4
6. Total value of taxable commodities transactions as computed by the Assessing Officer for the financial year referred to in item 4
7. The Assessing Officer passing the original order
8. Section of Chapter VII of Finance Act, 2013 under which the Assessing Officer passed the order
9. Date of communication of the order appealed against
10. Address to which notices may be sent to the appellant
11. Address to which notices may be sent to the respondent
12. Relief claimed in appeal

GROUND OFS OF APPEAL

1.
2.
3.
4. etc.

Signed
(Authorised representative, if any)Signed
(Appellant)**Verification**

I,, the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the day of
Place

Signed

Notes:

1. The memorandum of appeal shall be in triplicate accompanied by two copies (at least one of which should be a certified copy) of the order appealed against, two copies of the relevant order of the Assessing Officer, two copies of the grounds of appeal before the first appellate authority, two copies of the statement of facts, if any, filed before the said appellate authority.
2. The memorandum of appeal by an assessee under sub-section (1) of section 130 of Chapter VII of Finance Act, 2013 shall be accompanied by a fee of one thousand rupees.
3. The fee shall be credited in a branch of the authorised Bank or a branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India after obtaining a challan and the triplicate challan shall be sent to the Appellate Tribunal with a memorandum of appeal. The Appellate Tribunal shall not accept cheques, drafts, hundies or other negotiable instruments.
4. The memorandum of appeal shall be written in English or, if the appeal is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the appellant, in Hindi, and shall set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds shall be numbered consecutively.
5. *The number and year of appeal will be filled in the office of the Appellate Tribunal.
6. Delete the inapplicable columns. If the space provided is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.

[Notification No. 46/2013/F. No. 142/09/2013-TPL]

GAURAV KANAUIA, Director (TPL)